06.02.2012

प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय वानिकि अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आइ. सी.एफ़. आर. ई.) देहरादून

देश की महिला वैज्ञानिकों के लिये जलवायु परिवर्तन तथा कार्बन न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारतीय वानिकि अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून द्वारा महिला वैज्ञानिकों के लिए जलवायु परिवर्तन तथा कार्बन न्यूनीकरण पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ किया गया। उदघाटन सत्र के मुख्य अतिथि उप महानिदेशक (शिक्षा) श्री ओंकार सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन इस समय विश्व की चिन्तनीय समस्याओं में से एक है । जलवायु परिवर्तन के दुश्प्रभाव को कम करने में वनों कि महत्वपुर्ण भुमिका है। भारत में लगभग 2 लाख गांव वनों के किनारे बसते हैं उचित वन प्रबन्धन से वनों पर निर्भर समुदायों को वनों से मिलने वाले लाभ निरंतर मिलते रहेंगे। परिषद के उप महानिदेशक (अनुसंधान) श्री सन्दीप त्रिपाठी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागी महिला वैज्ञानिकों का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय वानिकि अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद ने वन एवं जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमेशा अग्रणी भुमिका निभायी है।

6 से 10 फ़रवरी तक चलने वाला यह प्रशिक्षण कार्यक्रम भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित है। कार्यक्रम में देश के केन्द्रीय तथा राज्यों के वैज्ञानिक संस्थानों तथा विश्विद्यालयों से 27 महिला वैज्ञानिक भाग ले रही हैं। कार्यक्रम के पहले सत्र में आपदा प्रबंधन राष्ट्रीय संस्थान, नयी दिल्ली के डा. ए.के. गुप्ता ने जलवायु परिवर्तन एवं आपदा प्रबंधन पर तथा आइ. सी.एफ़. आर. ई. के श्री वी आर एस रावत ने स्वछ विकास प्रक्रिया तथा कर्बन व्यपार पर व्याख्यान दिया। उदघाटन सत्र का संचालन डा. अनीता श्रीवस्तव ने किया तथा वी आर एस रावत ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर आइ. सी.एफ़. आर. ई. के वैज्ञानिक डा. ओम कुमार, डा. आर एस रावत व अन्य अधिकारी एवं वैज्ञानिक उपस्थित थे।